तापमान

अधिकतम 41.7 डिग्री
न्यूनतम 20.9 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, शनिवार, 27 अप्रैल 2024

11 कुलपति वापिस बुलाने की मांग करेगी डीक्टूटा

12 नवाचार और रचनात्मकता में आईपीआर की अहम भूमिका

खबर संक्षेप

मंडोरा में स्कूलों सहित 81 को नोटिस

खरखौदा। मंडोरा गांव में सड़क निर्माण को लेकर लोक निर्माण विभाग द्वारा पैमाइश करवाई गई थी। जिसमें स्कूल सहित 81 ग्रामीणों का कब्जा सड़क की जमीन में दशार्या गया है। पिछले काफी समय से मंडोरा में सड़क निर्माण व नालों का कार्य अधर में लटका हुआ है। जिसमें अवैध कब्जे बाधित बने हुए थे। जिनमें मंडोरा का स्कूल भी शामिल है। मंडोरा गांव में सड़क निमार्ण का कार्य पूरा ना होने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब लोक निर्माण विभाग की तरफ से न्यायालय के माध्यम से स्कूल सहित 81 लोगों को नोटिस जारी किया गया है।

बस से महिला यात्री का पर्स चोरी, केस दर्ज

सोनीपत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बस में सफर कर रही महिला के बैग से सोने के आभूषण चोरी करने के आरोप का मामला सामने आया है। महिला पानीपत स्थित मायके से सोनीपत ससुराल आ रही थी। ज्योति ने बताया कि वह अपने सास-ससुर व बच्चों के साथ पानीपत अपने मायके गई थीं। वह 23 अप्रैल को अपने मायके से सोनीपत आने के लिए पानीपत स्टैंड से बस में सवार हुई थी। उनके साथ सास-ससुर व दो बच्चे थे। उनके बैग में कपड़ों के साथ ही सोने का हार, मंगलसूत्र, अंगूठी व चांदी की तागड़ी थी। जब वह पानीपत से सोनीपत बस स्टैंड पर पहुंची तो उन्होंने अपना बैग की जांच की तो आभूषण चोरी मिले।

अटेरना में घर में घुसकर मारपीट का आरोप

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के गांव अटेरना में घर के अंदर घुसकर मारपीट करने गाली-गलौच करने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव अटेरना निवासी बलबीर सिंह ने बताया कि गत 24 अप्रैल को उसके घर पर दुष्यत सिंह अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचा। उन्होंने दरवाजे के बाहर खड़ा करके गाली-गलौच करना शुरू कर दिया। उसे अभद्रता से बातचीत करना शुरू कर दिया। उसे जबरदस्ती गाड़ी में डालने का प्रयास किया। गाड़ी के अंदर कुछ लोग बैठे हुए थे। जिन्होंने अपने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। उसके परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौच करके धमकी देकर फरार हो गए। जांच अधिकारी एचसी धमेंद्र ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आखिरी बार 1999 में उतारा था गैर जाट प्रत्याशी, भाजपा की राह पर चल रही कांग्रेस

25 साल पुराना इतिहास दोहरा कांग्रेस ने खेला ब्राह्मण कार्ड

भाजपा प्रत्याशी कवर कर चुके हैं लगभग सभी गांव, कांग्रेस प्रत्याशी के लिए होगी चुनौती

इनेलो ने तो घोषित किया उम्मीदवार, लेकिन जजपा ने अभी तक नहीं खोले पत्ते

25 साल पुराना इतिहास दोहरा सकती कांग्रेस

कांग्रेस की ओर से सोनीपत लोकसभा के लिये कुल 19 नेताओं ने अपना दावा पेश किया था। इनमें से अधिकतर तो सिर्फ नाम के दावेदार हैं। जो नेता सही मायने में दैहसियत में लगे हुए हैं उन्हें भी शायद पार्टी अपनी टिकट ना दे। 25 साल बाद ऐसा हो सकता है कि कांग्रेस इस सीट से किसी नॉन जाट चेहरे को मैदान में लाएगी। हालांकि अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन हरियाणा के बदले तेवरों को देखते हुए और जातिगत समीकरण साधने के लिये इस बार कांग्रेस भाजपा की रणनीति पर काम कर सकती है।

दीपक वर्मा ▶▶ सोनीपत

आखिरकार कांग्रेस ने भाजपा की राह पकड़ते हुए 25 साल पुराना इतिहास दोहरा ही दिया। वीरवार देर रात कांग्रेस ने सोनीपत लोकसभा के लिए सतपाल ब्रह्मचारी के नाम की घोषणा की। हरिभूमि ने 1 माह पहले 16 मार्च के अंक में अंदेशा जाहिर कर दिया था कि कांग्रेस इस बार 25 साल पुराना इतिहास दोहराते हुए गैर जाट चेहरे को मैदान में उतार सकती है।

1999 का चुनाव

क्योंकि 25 साल पहले कांग्रेस ने गैर जाट चिरंजीलाल शर्मा को प्रत्याशी बनाया था। 1999 के उन चुनावों में चिरंजीलाल शर्मा को भाजपा के किशन सिंह सांगवान के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद से धर्मपाल मलिक, जितेंद्र सिंह मलिक, जगबीर मलिक और भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोनीपत के रण में कदम रखा था। जिसमें से केवल जितेंद्र सिंह मलिक ही जीत का स्वाद चख पाए थे। कांग्रेस के टिकट की घोषणा के बाद से अब केवल जजपा ही ऐसा राजनीतिक दल बचा है, जिसका उम्मीदवार मैदान में नहीं हैं। इनेलो ने भी दो दिन पहले अनूप दहिया को अपना उम्मीदवार घोषित किया था, वहीं भाजपा ने तो काफी समय पहले ही राई से विधायक मोहन लाल बड़ौली को बतौर प्रत्याशी मैदान में उतार दिया था।

बता दें कि सोनीपत लोकसभा सीट पर साढ़े 17 लाख करीब मतदाता लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी आहुति देंगें। सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में कुल 9 विधानसभा आती हैं। जिसमें सोनीपत जिले की राई, गन्नौर, सोनीपत, खरखौदा, गोहाना, बरोदा के साथ-साथ जींद जिले की जींद, जुलाना और सफीदों विधानसभा भी शामिल हैं। इन सभी 9 विधानसभाओं में सबसे अधिक मतदाता सोनीपत विधानसभा में हैं। वहीं सबसे कम मतदाता खरखौदा विधानसभा में हैं। 2019 के लोकसभा चुनावों की अपेक्षा इस बार मतदाताओं की संख्या में लगभग 2 लाख का इजाफा हुआ है।

सीट पर अब तक ये बने सांसद

चुनाव	जीते	प्रतिद्वंदी	मत प्रतिशत
1977	मुखत्यार सिंह (बी.एल.डी.)	सुभाषिनी (कांग्रेस)	80 प्रतिशत
1980	देवीलाल (जे.एन.पी.(एस.)	रणधीर सिंह (कांग्रेस)	54.89
1984	धर्मपाल मलिक (कांग्रेस)	देवीलाल (लोकदल)	48.54
1989	कपिल देव शास्त्री(जद)	धर्मपाल मलिक (कांग्रेस)	0.95
1991	धर्मपाल मलिक(कांग्रेस)	कपिलदेव शास्त्री (जपा)	42.08
1996	अरविंद शर्मा (निर्दलीय)	रिजक राम (एस.ए.पी.)	33.07
1998	किशन सिंह सांगवान (एच.एल.डी.(आर.)	अभय राम दहिया (एच.वी.पी.)	41.94
1999	किशन सिंह सांगवान (भाजपा)	चिरंजी लाल (कांग्रेस)	69.83
2004	किशन सिंह सांगवान (भाजपा)	धर्मपाल मलिक(कांग्रेस)	31.67
2009	जितेंद्र मलिक (कांग्रेस)	किशन सिंह सांगवान (भाजपा)	47.57
2014	रमेश कौशिक (भाजपा)	जगबीर मलिक (कांग्रेस)	35.3
2019	रमेश कौशिक (भाजपा)	भूपेंद्र हुड्डा (कांग्रेस)	52.03

जिले में मतदाताओं की संख्या

विधानसभा	पुरुष	महिला	थर्ड जेंडर	कुल
गन्नौर	1,03,003	88,958	0	1,91,961
राई	1,04,436	88,876	9	1,93,321
खरखौदा	93,430	80,832	9	1,74,271
सोनीपत	1,24,649	1,14,584	5	2,39,238
गोहाना	1,01,526	88,482	10	1,90,018
बरोदा	1,00,897	85,545		1 1,86,443
कुल	6,27,941	5,47,277	34	11,75,252

नोट : यह आंकड़ा 5 मार्च 2024 तक का है। साथ ही जींद में 1,96,276, सफीदों में 1,91,157 व जुलाना में 1,80,847 मतदाता है, जिन्हें मिलाकर लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं का कुल आंकड़ा 17 लाख 43 हजार 532 पहुंच जाता है।

भाजपा और कांग्रेस में मुख्य मुकाबला

सोनीपत लोकसभा के रण में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहने वाला है। हालांकि इनेलो और जजपा भी अपने-अपने उम्मीदवारों के साथ काफी नुकसान पहुंचा सकती है। इसके बावजूद पिछले पांच बार के लोकसभा चुनावों की तरह ही इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होने वाला है। भाजपा प्रत्याशी मोहनलाल जहां समय से उम्मीदवार घोषित होने के चलते लोकसभा के अधिकतर गांवों में अपने दौरे कर चुके हैं, वहीं कांग्रेस प्रत्याशी को अब लगभग 30 दिनों में ही सभी गांवों को कवर करते हुए शहरों में भी चुनावी शोर मचाना होगा।

नौकरी दिलाने के नाम पर 7.60 लाख रुपये ठगे

- दिल्ली पुलिसकर्मी व एक अन्य पर दर्ज कराया मुकदमा, कुंडली थाना पुलिस ने जांच की शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र के गांव नांगल कलां की महिला ने डाक घर में क्लर्क की नौकरी दिलवाने के नाम पर लाखों रुपये की नकदी ऐंठने के आरोप का मामला सामने आया है। महिला ने दिल्ली पुलिस ने तैनात कर्मी व एक अन्य पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उसने घर व आभूषण गिरवी रखकर मोटे ब्याज पर रुपये लेकर आरोपितों को दिए है। अब रुपये मांगने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है। जिससे वह आत्महत्या को मजबूर हो सकते है। महिला के बयान पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ये है मामला

गांव नांगल कलां निवासी राखी ने पुलिस आयुक्त को शिकायत दी थी कि उनसे झांसे में लेकर नौकरी लगवाने के नाम पर उनसे रुपये ऐंठे गए हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि वह जरूरतमंद परिवार से हैं। वह तथा उनके पति फैक्टरी में नौकरी करते है। वर्ष 2021 में उनकी मुलाकात जनलक्ष्मी के नाम से लोन कंपनी में काम करने वाले सोनीपत निवासी विजय वर्मा से हुई थी। उसने उनकी मुलाकात दिल्ली पुलिस में कार्यरत मुरथल थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाले दिनेश से कराई। दिनेश ने बताया था कि उनकी पहचान दिल्ली डाकघर के बड़े अधिकारियों से है। उसने कहा था कि वह उसे डाकघर में क्लर्क की नौकरी दिलवा देगा। साथ ही किस्तों में रुपये देने की बात कही थी। उन्होंने अलग-अलग समय में दिनेश व विजय के खातों में नकदी डलवाई।

आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करेंगे

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की राशि ऐंठने के आरोप का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द ठगों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।
एसआई दिनेश, जांच अधिकारी, कुंडली थाना।

नहीं मिली नौकरी

उन्होंने कुल 7 लाख 60 हजार रुपये उन्हें दिए। जिसमें 2.10 लाख विजय को दिए थे। विजय ने बताया था कि उसने राशि दिनेश के खाते में डाल दी थी। उसने ट्रांजेक्शन भी दिखाई दी। उसके बाद भी नौकरी नहीं मिल सकी। बाद में उन्हें ही धमकी दी जाने लगी। वह दिनेश के घर गए तो उनकी पत्नी व पिता ने भी दोबारा घर नहीं आने की धमकी दी। जिस पर पुलिस को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा से कराई गई।

सड़क निर्माण से उड़ रही धूल से परेशान महिलाओं ने जाम लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

बरोणा की महिलाओं ने एकजुट होकर शुक्रवार को मार्ग अवरूद्ध कर दिया। महिलाओं का कहना था कि उनके गांव की मुख्य सड़क के निर्माण के दौरान धूल उड़ रही है, लेकिन विभाग इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसे में परेशान होकर महिलाओं ने शुक्रवार को जाम लगा दिया। सूचना पाकर नायब तहसीलदार मुकुल कुमार, जेई बलजीत सहित पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीण महिलाओं को शांत किया। बरोणा गांव की महिलाओं ने शाम के समय एकत्रित होकर मुख्य मार्ग को बंद कर दिया और जाम लगाते हुए कहा कि निमार्णाधीन सड़क पर रोजाना धूल उड़ रही है। जिससे सड़क किनारे के लोगों को तो परेशानी हो ही रही है, ग्रामीणों को भी सड़क पर आवाजाही करने के दौरान धूल का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने कहा कि सांस लेने में दिक्कत होने के साथ ही उनके घरों तक में धूल की परत जम गई है। लेकिन लोक निर्माण विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। इसके साथ ही ना तो उनके गांव में पर्याप्त बिजली आ रही है और ना ही पानी मिल पा रहा है। सूचना पाकर नायब तहसीलदार मुकुल कुमार, जेई बलजीत मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिया।

ग्रामीणों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा

सड़क निर्माण हो रहा है, अब टाइलें लगाई जानी है। ग्रामीणों ने धूल उड़ने की बात कही है, जिस पर उन्हें आश्वस्त किया गया है कि लगातार ठेकेदार सड़क पर पानी छिड़काव करेगा, ताकि ग्रामीणों को परेशानी ना हो।
-अनिल चहल, एसडीओ लोक निर्माण विभाग।

रोहित हत्याकांड में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

मोहाना थाना पुलिस ने बोहला गांव में युवक की हत्या कर शव को खुर्द-बुर्द करने के लिए अंतिम संस्कार करने की वारदात में शामिल आरोपित मृतक के भाई व उसके ममेरे भाई को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपित दीपक निवासी चिड़ी व विजय निवासी बोहला का है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मामले में पुलिस ने रोहित के पिता जयप्रकाश को गिरफ्तार किया था। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित ने कबूल किया कि उसने अपने छोटे बेटे विजय व अपने साले के बेटे दीपक निवासी चिड़ी के साथ मिलकर रोहित की हत्या की है। पुलिस ने इस संबंध में गिरफ्तार दोनों आरोपितों को अदालत में पेश कर रिमांड की अपील की। अदालत ने आरोपितों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

हथियार सहित युवक काबू

खरखौदा। शहर के वार्ड संख्या 10 निवासी युवक को दो अवैध पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि संदिग्ध उज्जवल गांव छिनौली की तरफ से शहर के रोहतक मार्ग की तरफ आ रहा है। पुलिस जिला पार्षद मनजीत भोला के साथ मौके पर पहुंची।

थोड़ी देर बाद आरोपी युवक पैदल आता हुआ दिखाई दिया। लेकिन पुलिस टीम को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने युवक को काबू करके जिला पार्षद की मौजूदगी में तलाशी ली तो उसके पास दो अवैध पिस्तौल व दो गोलियां बरामद हुई। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आम चुनाव के चलते पुलिस ने क्षेत्र में चौकसी बढ़ा दी है।

महिला का अपहरण कर छेड़छाड़ व मारपीट का आरोप

गन्नौर। जीटी रोड बड़ी के निकट स्थित काली माता के मंदिर से पूजा कर घर आ रही महिला का कार सवार तीन बदमाशों ने अपहरण कर दिया। बदमाशों ने महिला को जबरदस्ती कार में आंखो में पट्टी बांध कर उसे अज्ञात स्थान पर ले गए और उसके साथ मारपीट व छेड़छाड़ भी की। पीड़ित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि अपहरण करने वाले एक बदमाश को पहचानती है और उसका मोबाइल नंबर भी पुलिस को दिया। थाना बड़ी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़ित महिला ने बताया कि बृहस्पतिवार को वह काली माता मंदिर के पास पूजा करने के लिए गई थी। घर वापस आते समय एक कार आकर उसके पास रुकी। कार से तीन युवक उतरे व उसको जबरदस्ती कार में खींच लिया। व उसे कहीं दूर व अज्ञात स्थान पर ले गए। आरोपितों ने आंखों पर काली पट्टी बांध दी थी। जब अपने बचाव का प्रयास किया तो युवकों ने उसके साथ मारपीट करने साथ अभद्र हरकतें की। आंखो पर पट्टी लगने की वजह से कुछ नहीं देख पाई। बदमाशों ने उसका मोबाइल भी ले लिया। महिला ने बताया कि अपहरण करने वालों में से एक बदमाश का मोबाइल नंबर उसको पता है। यदि वह सामने आया वह पहचान सकती है। थाना बड़ी के एसआई रामनिवास ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि तीन युवकों ने काली माता मंदिर के पास से एक महिला का अपहरण किया है। सूचना मिलते ही वह पुलिस की टीम के साथ काली माता मन्दिर गांव बडी जीटी रोड पर पहुंचे। पुलिस को सनपेड़ा के पास महिला व उसका पति मिले। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

एसीएस आनंद मोहन शरण ने गोहाना, गन्नौर तथा सोनीपत अनाज मंडी में खरीद का जायजा लिया

गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी रहे, उठान के कार्य में तेजी लाएं : एसीएस

- किसानों और आढ़तियों से बातचीत की कर खरीद की व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने शुक्रवार को गोहाना, गन्नौर तथा सोनीपत अनाज मंडी पहुंच कर गेहूं खरीद कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी रहे। किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने दें तथा गेहूं उठान के कार्य में तेजी लाएं। इस दौरान एसीएस अनाज मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से बातचीत की और फसल खरीद की व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया। उन्होंने गेंहू उपज की गुणवत्ता की जांच की और कहा कि किसान मंडियों में अपनी उपज को सुखाकर बिक्री के लिए लाएं। उन्होंने कहा कि जिला में गेहूं की बंपर पैदावार होने का अनुमान है, ऐसे में मंडियों में किसानों की उपज की खरीद में किसी प्रकार की कोई अड़चने ना आने पाएं, इसके लिए अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।एसीएस ने ने खरीद प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों से बारदाने की उपलब्धता, नमी मापक यंत्र के अलावा अन्य कार्यो की विस्तार से जानकारी ली। इस बीच मंडी परिसरों में आढतियों से भी खरीद प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सुझाव लिए। उन्होंने खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नमी के मानकों को ध्यान में रखते हुए खरीद की जाए। फसलों के उठान को लेकर भी एसीएस ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि एजेंसियां तय समय में फसल का उठान करते हुए गोदाम तक पहुंचाएं ताकि बारिश व अन्य कारणों से गेहूं व अन्य फसलों को नुकसान ना पहुंचे। एसीएस ने किसानों से अपील की है कि क्रमानुसार ही गेहूं को मंडी में लेकर आए ताकि एजेंसियों एवं आढ़तियों को खरीद में कोई परेशानी ना हो। खेतों में फसल कटाई के बाद फानों में आग न लगाएं। आग लगाने से प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है।

खरीद का समय पर भुगतान करें : शरण

गन्नौर। प्रदेश सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने शुक्रवार को गन्नौर अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद का जायजा लिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन ने मंडी का निरीक्षण करते हुए गेहूं की आवक, लिफ्टिंग का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि गन्नौर अनाज मंडी, पुगथला खरीद केंद्र, सनपेड़ा खरीद केंद्र, दातौली खरीद केंद्र व पुरखास खरीद केंद्र में 25 अप्रैल तक 6 लाख 73 हजार 84 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। जबकि 6 लाख 60 हजार 585 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। मंडियों में 12 हजार 499 क्विंटल गेहूं पड़ा है। जबकि 6 लाख 49 हजार 431 कट्टों का उठान हो चुका है। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन ने फूड ग्रेन एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र गोयल, सचिव अनिल कौशिक व कोषाध्यक्ष नीरज त्यागी व किसानों से बातचीत कर गेहूं के भुगतान के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मंडी में गेहूं का भुगतान समय पर हो रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन ने बताया कि गन्नौर में बेहतर तरीके से गेहूं की खरीद हुई है। समय पर लिफ्टिंग हो रही है और किसानों के खाते में पैसा भी समय पर पहुंच रहा है।

अलग-अलग सड़क हादसों में भाइयों सहित तीन की मौत

- पुलिस ने परिजनों के बयान पर आरोपित वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज किया

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिए। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान पर आरोपित वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमें दर्ज कर लिए है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव भदाना निवासी विकास ने बताया कि गत 25 अप्रैल को वह अपने टाटा मैगा को लेकर यूपी में सामान उतारकर वापिस आ रहा था। केजीपी रोड पर बागपत के पास सड़क किनारे अपनी वाहन को खड़ा करके बाथरूम करने चला गया। जब वापिस आया कि उसके पास दो व्यक्ति जिनका नाम राकेश निवासी पिपरी यूपी व योगेंद्र निवासी रघुनाथपूर यूपी निवासी होने की जानकारी दी। दोनों ने सोनीपत जाने की बात कही। दोनों भाइयों को गाड़ी में बैठा लिया। जाखौली के पास टोल पर करीब 4.15 बजे पहुंचे। उसी दौरान उसकी गाड़ी चलते-चलते बंद हो गई। दोनों भाइयों ने गाड़ी को धक्का लगाकर गाड़ी को साइड में करवाया। गाड़ी में तकनीकि खराबी आ गई। उसके चैक करने के लिए चालक साइड में खड़ा था। दोनों भाई गाड़ी के पीछे खड़े हुए थे। उसी दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी चालक गाड़ी के पीछे टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गाड़ी की चपेट में आ गए। गाड़ी चालक गाड़ी को छोड़कर फरार हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। उसे जानकारी मिली कि उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर शवगृह में रखवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

वहीं केजीपी रोड पर घुमने गए बुजुर्ग की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। गांव बढ़खालसा निवासी लोकेश ने बताया कि उसका पिता रामतीर्थ (61) हर रोज घुमने के लिए केजीपी रोड पर जाते थे। शुक्रवार सुबह घर से घुमने के लिए निकले थे। सुबह 7 बजे तक वापिस नहीं पहुंचे। वह गांव के केजीपी अडंर रास्ते से सड़क मार्ग पर पहुंचा। जहां रेलिंग के पास उसके पिता बेहोश हालत में पड़े हुए थे। पास जाकर देखा तो उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं पास में ही ग्रिल तोड़कर सड़क मार्ग से नीचे एक ट्रक पलटा हुआ था।

हाथी पृथ्वी का इकलौता ऐसा जानवर है जो कूद नहीं सकता।

डॉल्फिन के पास 100-200 के बीच दांत होते हैं, लेकिन फिर भी वह अपने शिकार को निगल कर खाते हैं।

मेहनत कर आप भी बन सकते हैं पोस्ट अधिकारी

नालेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

कौन होता है पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जरूरी योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

कैसे बने पोस्ट अधिकारी

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में भारी जरूरत

दूसरों का मन पढ़ने की काबिलियत है तो मनोवैज्ञानिक बन चमका सकते हैं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

युवाओं की बन रहा पहली पसंद

मनोवैज्ञानिक का अर्थ होता है कोई ऐसा व्यक्ति जो दूसरों के मन की बात जान सकें, उसे मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इंग्लिश में इसे साइकोलॉजिस्ट कहते हैं। वर्तमान समय में यह शब्द काफी ज्यादा प्रचलित है क्योंकि बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता रहती है। आमतौर पर विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर साइकोलॉजिस्ट की आवश्यकता रहती हैं और वैसे भी प्रत्येक इंसान यह चाहता है कि वह दूसरों के मन की बात जान सकें, दूसरों के दिमाग में क्या चल रहा है। इस बारे में वह समझ सकें। लेकिन इसे किसी जादू से या तंत्र विद्या से हासिल नहीं किया जाता है, बल्कि मनोविज्ञान पढ़ना होता है। जिसके अंतर्गत आप दूसरों के मन की बात जान सकते हैं। विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जो मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग की स्थिति जानकर उनका उपचार किया जाता है।

काफी काम आते मनोवैज्ञानिक

इसीलिए मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक मौजूद हैं। इसके अलावा सरकार भी अपने विरोधी देशों के सरकार के दिमाग में चल रहे क्रियाकलापों के बारे में जानना चाहती हैं, इस जगह पर मनोवैज्ञानिक काफी काम आते हैं। अगर आप भी मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? यानी की मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? तो इसके लिए आपको क्या-क्या करना होगा? किस प्रकार के पढ़ाई करें? कितना समय लगेगा? तथा किस प्रकार से आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे? इस प्रकार की पूरी जानकारी इस आर्टिकल में हम आपको विस्तार से बताएंगे। इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आपको पता चल जाएगा कि मनोवैज्ञानिक कैसे बनें। तो चलिए आपको बताते हैं कि मनोवैज्ञानिक क्या होता है? तथा मनोवैज्ञानिक कैसे बनते हैं?

क्या होता है मनोवैज्ञानिक

साइकलोजिस्ट को हिंदी में मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इसका अर्थ होता है कि मानव मस्तिष्क का अध्ययन करना तथा मानव मस्तिष्क को समझना। आसान भाषा में बताएं तो किसी भी व्यक्ति के दिमाग में क्या चल रहा है? वह व्यक्ति क्या सोच रहा है? तथा आगे क्या कर सकता है? इस बात को समझ कर उसका अर्थ निकालना मनोवैज्ञानिक कहलाता है। विशेष रूप से अगर कोई व्यक्ति गुस्से में है, खुशी में है, या दुख में है? तो मनोवैज्ञानिक उनकी भावनाओं के आधार पर उसके मस्तिष्क का अध्ययन करके यह पता लगाते हैं कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। इस तरह का मस्तिष्क का अध्ययन करने वाले व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक कहते हैं। आमतौर पर आज के समय में तनाव तथा डिप्रेशन से ग्रसित लोगों को मनोवैज्ञानिक की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि वह लोग पूरी तरह से तनाव में जकड़ जाते हैं। जबकि विशेषज्ञों को अपनी परेशानी भी खुलकर नहीं बताते हैं। ऐसी स्थिति में मनोवैज्ञानिक उनके मस्तिष्क का अध्ययन करके व्यक्ति के व्यवहार उसकी सोच भावनाएं इत्यादि के बारे में विस्तार से गहनता से अध्ययन करके उसके दुखों का पता लगाते हैं, जिसके आधार पर उनका उपचार किया जाता है और वे ठीक हो जाते हैं। यही वजह है कि आज के समय में मनोवैज्ञानिक की काफी ज्यादा डिमांड बढ़ गई है।

साइकोलॉजिस्ट के कार्य

साइकोलॉजिस्ट का मुख्य कार्य रिसर्च का अध्ययन करना होता है। साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से मानसिक रूप से बीमार तथा मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के मस्तिष्क का अध्ययन करते हैं। ताकि उन्हें उचित उपचार दिलाया जा सकें और उनके मस्तिष्क को ठीक किया जा सकें। इसीलिए इंसानी दिमाग को पढ़ने के लिए इस तरह के साइकोलॉजिस्ट होते हैं। साइकोलॉजिस्ट किसी भी इंसान के दिमाग को पढ़ने का काम करते हैं, जिससे उन्हें पता चल जाता है कि वह किस प्रकार से सोचते हैं? किस प्रकार से योजना बनाते हैं। साइकोलॉजिस्ट विज्ञान की एक शाखा है। इसीलिए इसका मुख्य रूप से उपयोग मेडिकल तथा रिसर्च एवं प्रयोग से संबंधित होता है। मनुष्य का व्यक्ति किस प्रकार से कार्य करता है? मस्तिष्क में कौन-कौन से विचार आते हैं? इत्यादि के बारे में गहनता से साइकोलॉजिस्ट द्वारा अध्ययन किया जाता है। आमतौर पर आज के समय में ज्यादातर लोग डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं, तनाव के शिकार हो जाते हैं, मन में अनचाहे विचार आते हैं, विभिन्न प्रकार की सोच होती है, भावनाएं काबू में नहीं रहती है, तरह-तरह की फीलिंग आती है, विभिन्न प्रकार का प्रसार बना रहता है, इससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। इन सभी कार्यों का अध्ययन मनोवैज्ञानिक अर्थात साइकोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता है।

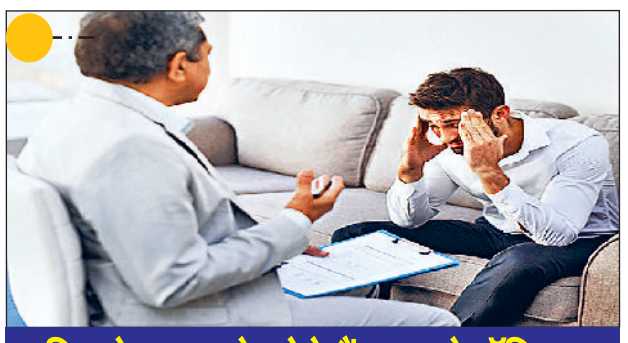

कितने प्रकार के होते हैं साइकोलॉजिस्ट

व्यक्तिगत साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्तिगत सोच के तरीकों को अध्ययन के रूप में जाना जाता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति की सोच बदलाव तथा उसके परिवर्तन में क्या कारण आए हैं। इस बारे में गहनता से अध्ययन किया जाता है।

सामाजिक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत एक समाज या समूह के मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसके दौरान यह पता लगाया जाता है कि वह समाज या संगठन अथवा समूह किस प्रकार का व्यवहार रखता है, किस प्रकार से सोचता है, उनका क्या विकास है तथा क्या उनकी भावनाएं है। इत्यादि सामाजिक साइकोलॉजिस्ट के अनुसार अध्ययन किया जाता है।

जैविक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अनुसार शरीर में बदलाव के रूप में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है यानी कि शरीर में जिस प्रकार से जैविक प्रक्रिया के अनुसार बदलाव होते हैं? उस समय मनुष्य का मस्तिष्क किस तरह से प्रभावित होता है। इस बारे में अध्ययन किया जाता है।

नैदानिक साइकोलॉजिस्ट : यहां शाखा विशेष रूप से मानसिक रोगियों के लिए उपलब्ध की गई है। विशेष रूप से जो व्यक्ति दिमाग की बीमारियों से ग्रसित है या मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग को पढ़कर उपयुक्त इलाज के लिए उनके मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसीलिए इसे नैदानिक साइकोलॉजिस्ट कहते हैं।

सज्ञानात्मक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्ति के सोचने के तरीके निर्णय लेने के तरीके समस्या और परेशानियों से समझने के तरीके तथा बात करने के तरीकों के बारे में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इस साइकोलॉजिस्ट शाखा को संज्ञानात्मक शाखा कहते हैं। विशेष रुप से इस शाखा के साइकोलॉजिस्ट को बड़े-बड़े देश की सरकारें विरोधी देशों के लिए इस्तेमाल करती है।

ऐसे बनें मनोवैज्ञानिक

- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए अभ्यर्थी को सबसे पहले बैचलर ऑफ साइकोलॉजी का कोर्स करना होगा। यह कोर्स 3 वर्ष का होता है। इसके अंतर्गत 2 वर्ष का मास्टर ऑफ साइकोलॉजी कोर्स करना होता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए विशेष रूप से आपको इस विषय में रुचि होने चाहिए, तभी आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे।
- साइकोलॉजी के क्षेत्र में मास्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद स्पेशलाइजेशन भी किया जा सकता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए गहनता से सुनने की क्षमता होनी चाहिए।
- दूसरों के मस्तिष्क को बारीकी से जानने और उस पर अध्ययन करने की प्रबल इच्छा होनी चाहिएं।
- अभ्यर्थी की अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए धैर्यवान, आत्मविश्वास तथा सुनने एवं समझने की योग्यता रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया कार्यस्थल को बना रहा विषैला, युवा सावधानी से करें उपयोग

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

सोशल मीडिया का उपयोग समाज में एक व्यापक बदलाव लाया है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह व्यक्तिगत और व्यापारिक जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है? वास्तव में, सोशल मीडिया ने कार्यस्थल को विषैला बना दिया है। यहां हम उस तरह के प्रभावों पर विचार करेंगे जिनसे सोशल मीडिया कार्यस्थल में वातावरण को नकारात्मक बनाता है। आज के युवा लोगों के लिए सोशल मीडिया एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह उन्हें दोस्तों के साथ जुड़े रहने, नए ज्ञान की प्राप्ति करने और अपने विचारों को साझा करने का माध्यम प्रदान करता है। हालांकि, सोशल मीडिया के उपयोग के साथ ही साइबर बुलिंग का खतरा भी है, जो युवाओं को प्रभावित कर सकता है।

साइबर बुलिंग से बचने को जागरुकता जरूरी

यहां हम कुछ सलाह प्रस्तुत कर रहे हैं जो युवा लोगों को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों से बचाने में मदद कर सकती हैं। सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण उपाय है जागरूकता। युवाओं को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे संवेदनशीलता के साथ इन खतरों को पहचान सकें और उनसे बच सकें। सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल युवाओं को अपनी सोशल जिम्मेदारियों को समय से ख़त्म करने के लिए सिखाता है, बल्कि उन्हें सकारात्मक और उत्तरदायी रूप से सोशल मीडिया पर बर्ताव करने के लिए भी प्रेरित करता है। यदि कोई युवा साइबर बुलिंग का शिकार होता है, तो उसे सहानुभूति और समर्थन की जरूरत होती है। वह खुद को अकेला महसूस नहीं करें और उसे अपनी समस्या को साझा करने के लिए स्वतंत्र महसूस करने के लिए प्रेरित करें। युवाओं को अपनी गोपनीयता की महत्वपूर्णता के बारे में शिक्षा देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने व्यक्तिगत जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले सोचने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। युवाओं को सकारात्मक सोशल मीडिया अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। वे अपने सोशल मीडिया खातों पर सकारात्मक और उत्तेजक सामग्री को साझा करने और देखने के लिए उत्साहित होना चाहिए। इन सलाहों का पालन करते हुए, युवा लोग सोशल मीडिया के खतरों से बच सकते हैं और उसे सकारात्मक और सार्थक रूप से उपयोग कर सकते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग करने में लोग अक्सर कार्यस्थल में समय की बर्बादी करते हैं। वे काम के समय में अपने सोशल मीडिया खातों को चेक करने में लगे रहते हैं, जिससे कार्य पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है और काम की प्रगति पर असर पड़ता है। कई बार सोशल मीडिया पर देखी गई जानकारियों और फोटोग्राफों के कारण, कर्मचारियों के बीच अप्रत्याशित व्यवहार हो सकता है। इससे कार्यस्थल में विश्वास की कमी होती है और सामूहिक संबंधों में कटुता आ सकती है। सोशल मीडिया पर नकली जीवन और सफलता की तस्वीरें देखकर, लोग अक्सर अपनी खुद की तुलना अन्य लोगों से करते हैं, जो मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। इससे कार्यस्थल में रिश्तों में टेंशन और आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कार्यस्थल में सोशल मीडिया का उपयोग करते समय, कर्मचारियों को गोपनीयता का अनुपालन करना चाहिए। लेकिन अक्सर लोग निजी जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, जिससे गोपनीयता की चुनौती पैदा होती है और अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं।

महिलाएं हो रहीं ज्यादा प्रताड़ित

सोशल मीडिया का उपयोग करने से कर्मचारियों के बीच संवाद की कमी हो सकती है। वे अक्सर चैट, इमेल या सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करते हैं, जिससे सामूहिक दृष्टिकोण और टीम काम को प्रभावित किया जा सकता है। सोशल मीडिया का सही उपयोग करते हुए जागरूक रहना चाहिए और कार्यस्थल में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। "सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण का आगमन कार्यस्थलों में अनेक नए संभावनाओं का उत्थान किया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। महिलाएं, खासकर कार्यस्थल में, इस डिजिटल युग में अधिक शिकार बनने के खतरे से जूझ रही हैं। उन्हें अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा ऑनलाइन या ऑफलाइन उत्पीड़न, बुलिंग, या अन्य दुर्व्यवहार का शिकार बनाया जा सकता है। सबसे पहले, महिलाओं को अपने अधिकारों और उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने के लिए जागरूक होना चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि कैसे वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं और कैसे वे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल कर सकती हैं। महिलाओं को एक समर्थन सिस्टम की आवश्यकता होती है, जो उन्हें आत्मसमर्थन, सलाह, और समर्थन प्रदान कर सकता है। कार्यस्थल में, इसका मतलब है कि कंपनी को नेतृत्व से लेकर सहकर्मियों तक, सभी को महिलाओं का समर्थन करना चाहिए। कंपनी को सुनिश्चित करना चाहिए कि वह एक स्पष्ट और सख्त नीति के साथ साइबर बुलिंग और उत्पीड़न के खिलाफ है। यह नीतियाँ और प्रक्रियाएँ महिलाओं को सुरक्षित और समर्थित महसूस करने में मदद कर सकती हैं। कंपनी को एक विशेष जाँच और प्रतिक्रिया प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जिसमें किसी भी उत्पीड़न की शिकायत को गंभीरता से लिया और संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान किया जाता है।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

खरखौदा में खोला चुनावी कार्यालय

खरखौदा। इनेलो प्रत्याशी अनूप सिंह दहिया ने अपनी चुनावी सक्रियता बढ़ा दी है। गुरुवार को उन्होंने अपने गांव सिसाना में दहिया खाप के चबूतरे पर ग्राम स्तरीय पंचायत की, ताकि पैतृक गांव के मतदाताओं का समर्थन हासिल किया जा सके। उन्होंने शुक्रवार को धार्मिक अनुष्ठान के साथ खरखौदा में चुनावी कार्यालय खोला।

मदवि में विशेष ट्रेनिंग दो मई को दी जाएगी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज 2 मई को- डेवलपिंग सेल्फ कंपीटेंसीज एंड वर्क कल्चर विषयक ट्रेनिंग सत्र का आयोजन करेगा। एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज के कोआर्डिनेटर डॉ. अनार सिंह ढुल ने बताया कि कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा बतौर की-नोट स्पीकर इस ट्रेनिंग सत्र में शिरकत करेंगे।

पुशअप रिकॉर्ड बनाने के लिए आयोजन कल

महम। एक हजार पुशअप का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए सीसर खास गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 28 अप्रैल को सुबह 8 बजे एक आयोजन किया जाएगा। सीसर खास गांव निवासी राजपाल एक हाथ से एक हजार पुशअप लगाएंगे। वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए यहां ऑपन चैलेंज का आयोजन होगा।

सेक्टर-30 में प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में चोरी

रोहतक। सेक्टर-30 स्थित प्रापर्टी डीलर के कार्यालय में चोरी का मामला सामने आया है। आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकातय में गांव बलियाणा निवासी राफल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 अप्रैल को शाम को आफिस बंद कर गया था। जब अगले दिन सुबह आकर देखा तो आफिस के गेट का ताला टूटा हुआ मिला। आफिस के अंदर से एसी, फ्रीज, छत वाला पंखा, गैस सिलेंडर, इन्वर्टर व बैटरी, सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर चोरी हुई मिली।

दो महिलाओं की चेन तोड़ी, सीसीटीवी में कैद

सांपला। धर्मशाला में कथा सुनने गई दो महिलाओं की चैन चोरी हो गई। जब धर्मशाला में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किए गया तो पता चला कि गले से चैन चोरी करने वाली महिला ही निकली। पुलिस ने वार्ड नंबर-10 महाजन मोहल्ला निवासी रीना व सुनिता की शिकायत के अधार पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू की गई। सुनीता ने बताया कि महाजन धर्मशाला में कथा चल रही थी। सभी भक्ति में लीन थे और नाच गाना कर रहे थे। इस दौरान गले से चैन गायब हुई मिली। उन्हें समझा कि कहीं उनकी चैन गिर गई।

जैविक किसान करेंगे उपभोक्ताओं से संवाद

रोहतक। जैविक किसान बिक्री समूह, हरियाणा द्वारा 27 अप्रैल को रोहतक में जैविक किसान-उपभोक्ता संवाद का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में शाम 5 बजे स्वामी नितानंद स्कूल में होगा। 'बिक्री समूह के सलाहकार प्रो. राजेंद्र बताया कि भारत के राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद के आंकडे बताते हैं कि साल दर साल खाद्य पदार्थों में पोषक तत्व कम होते जा रहे हैं। संतरे में विटामिन सी एवं गाजर में विटामिन ए की मात्रा कम होने का दावा प्रो. चौधरी ने किया।

डीक्रस्ट मुरथल में जारी रहा शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन

सरकार से कुलपति वापस बुलाने की मांग करेगी डीक्रूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शिक्षकों को बेइज्जत करने का लगाया आरोप

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल की टीचर एसोसिएशन का विरोध प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। प्रदर्शन के दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सरकार से कुलपति को वापस बुलाने की मांग की है, ताकि प्रदेश के विश्वविद्यालय को बर्बाद होने से बचाया जा सके। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को अब मीटिंग करने का भी पैसा देना होगा, जबकि विश्वविद्यालय के बाहर वालों के लिए अब तक कोई पॉलिसी नहीं है। वहीं शिक्षकों को अपने से नीचे के पद व ग्रेड पे के साथ काम करने पर मजबूर किया जा रहा है। विद्यार्थियों के भविष्य व विश्वविद्यालय को बचाने के लिए डीक्रूटा का प्रदर्शन जारी रहेगा। डीसीआरयूएसटी की टीचर एसोसिएशन ने दूसरे दिन भी विश्वविद्यालय प्रशासन के आदेशों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया जा रहा है। डीक्रूटा ने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय के तालीबानी फरमान लगातार जारी हैं। विश्वविद्यालय ने दो नए तालिबानी फरमान जारी किए हैं। पहले तालिबानी फरमान के तहत अब विश्वविद्यालय के कर्मचारी कोई भी मीटिंग आदि पर पैसा लगेगा,लेकिन विश्वविद्यालय में जो बाहर के कार्यक्रम होते हैं उनके लिए अब तक कोई पालिसी नहीं है। विश्वविद्यालय में अब तक कर्मचारियों के किसी भी सामाजिक कार्यक्रम व मीटिंग पर किसी भी प्रकार का कोई पैसा नहीं लगता था। जिसके लिए अब कमेटी बना दी गई है। विश्वविद्यालय का कोई भी कर्मचारी सेवानिवृत्त होगा तो, उसके लिए आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रम पर अब पैसा देना पड़ेगा। जबकि विश्वविद्यालय से बाहर वालों के लिए किसी भी कमेटी व पॉलिसी का कोई अता पता नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यह सब शिक्षकों पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, ताकि शिक्षक जायज मांग न उठा सकें। डीक्रूटा ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों के लिए किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। विद्यार्थियों की क्लास निरंतर जारी रहेगीं, लेकिन विद्यार्थियों के हितों व विश्वविद्यालय को बचाने के लिए डीक्रूटा का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। डीक्रूटा ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि विश्वविद्यालय को बर्बाद होने से बचाने के लिए कुलपति को वापिस बुलाया जाए। विरोध प्रदर्शन में प्रधान प्रो.सुरेंद्र दहिया, उपप्रधान डा. अनिल यादव, सचिव डा.अजमेर सैनी, कोषाध्यक्ष डा.ममता भगत,डा.पंकज सहित अधिकतर शिक्षक उपस्थित थे।

सोनीपत। डीक्रस्ट में विरोध प्रदर्शन करते डीक्रूटा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो :हरिभूमि

जताया विरोध

डीक्रूरटा ने आरोप लागया कि विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार तालिबानी फरमानों के तहत निरंतर शिक्षकों को बे इज्जत करने पर तुला हुआ है। प्रतिनिदिन कोई न कोई तालिबानी फरमान विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में दो नए तालिबानी फरमान जारी किए हैं, जिसमें छ हजार ग्रेड पे के पद के नीचे दस हजार ग्रेड पे के प्रोफेसर को कार्य करने पर मजबूर होना पड़ेगा। वहीं एक अन्य कमेटी में भी छ हजार ग्रेड पे के नीचे 9 हजार ग्रेड पे के एसोसिएट प्रोफेसर को कार्य करने पर मजबूर होना पड़ेगा। आम तौर पर नियम के अनुसार जो भी कमेटी का गठन किया जाता है उसमें पद व ग्रेड पे व सीनियरटी का विशेष ध्यान रखा जाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन मात्र कमेटी बनाने पर ही लगा हुआ है, उसका विश्वविद्यालय के विकास व विद्यार्थियों के हितों से कोई लेना देना नहीं है।

गोहाना। विजेता विद्यार्थी अतिथियों और अपने गुरुजनों के साथ। फोटो :हरिभूमि

भाषण प्रतियोगिता में तमन्ना- वरुण प्रथम

- विद्यार्थियों ने भाषण और पोस्टर मेकिंग में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शहर में गुढ़ा रोड पर स्थित जेएलएन स्कूल में गुरुवार को विश्व मलेरिया दिवस पर प्रतियोगिताएं करवाई गईं। भाषण की प्रतियोगिता में तमन्ना और वरुण प्रथम, दीपांशी और तमन्ना द्वितीय तथा संजय तृतीय स्थान पर रहे। पोस्टर मेकिंग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तनु और यशिका का रहा।

मुख्य अतिथि गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कॉलेज के डॉ. संयम जैन रहे। मार्गदर्शन स्कूल की मैनेजर कृष्णा शर्मा का रहा। संयुक्त अध्यक्षता स्कूल के एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन स्कूल के वाइस प्रिंसिपल सूरत शर्मा के साथ सह निदेशक राज कुमार जांगड़ा ने किया। डॉ. संयम जैन ने कहा कि मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टियां आदि होने से मलेरिया बुखार होता है। मलेरिया से बचाव के लिए आवश्यक है कि घरों के आसपास पूरी सफाई रहे। प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने कहा कि मच्छर जनित मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचने का सर्वश्रेष्ठ उपाय यह है कि हम मच्छर पैदा ही न होने दें।

व्हीलचेयर क्रिकेट मैच 1 मई को

सोनीपत। स्पोर्ट्स व्हीलचेयर क्रिकेट एसो. हरियाणा द्वारा 1 मई को व्हीलचेयर क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए एसोसिएशन के प्रवक्ता ने बताया कि मैच गोहाना बाईपास स्थित नेशनल स्पोर्टस क्लब के ग्राउंड में खेल जाएगा, जिसमें हरियाणा व दिल्ली की टीम हिस्सा लेगी। मैच का समयस सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक रखा गया है। क्रिकेट मैच का उद्देश्य मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना है।

छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं

- राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर 12 का दीक्षांत समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर 12 का पहला दीक्षांत एवं पारितोषिक वितरण समारोह मनाया गया। जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य विजय वत्स ने उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं अध्यक्षता ओएसडी प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत ने की तथा विशिष्ट अतिथि पूनम बगई रही। प्राचार्य दिलबाग सिंह जाखड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके उपरांत दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समारोह में 200 से अधिक छात्राओं को कला एवं वाणिज्य स्नातक की उपाधियों से विभूषित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी। इस मौके पर डा. सुभाष सिसौदिया, डा. रेखा, डा. शर्मिला बधवार, डा. राजेश ढाका, डा. नीलम सैनी, डा. राजवंती धनखड़, डा. सतीश मलिक, डा. रेखा, मंजू रानी, डा. अमिता, डा. विक्रम, डा. अमित कौशिक आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अतिथि।

पेड़ों से ही जीवन संभव ये प्राणादाता : रामेश्वर

गोहाना। पेड़ हमें वह सब कुछ देते हैं जो जीने के लिए जरूरी है। पेड़ न केवल सांस लेने के लिए वायु देते हैं अपितु भोजन के मुख्य स्रोत भी पेड़ ही हैं। हमें केवल इतना भर करना है कि हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और उन्हें नियमित रूप से संभालते रहने का संकल्प करें। यह टिप्पणी राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने की। वह पानीपत रोड पर स्थित लावारिस पीड़ित गौमाता गौशाला के प्रांगण में पौधारोपण कर रहे थे। पौधारोपण की अध्यक्षता ट्रस्ट के महासचिव प्रेम लाल आर्य ने की। रामेश्वर दास सैनी ने कहा कि वक्त की मांग है कि हम पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के यज्ञ में अपनी आहुति ज्यादा से ज्यादा पौधे लगा कर डालें। प्रेम लाल आर्य ने कहा कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए पेड़ों को संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने जोर दे कर कहा कि हरे पेड़ किसी भी अवस्था में काटे नहीं जाने चाहिएं।

बाल मजदूरी कानूनी जुर्म: आरती

- खन्दराई गांव स्थित राजकीय पाठशाला में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन द्वारा संचालित एमडीडी ऑफ इंडिया सोनीपत की टीम द्वारा शनिवार को खन्दराई गांव स्थित राजकीय पाठशाला में बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल यौन शोषण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में टीम के सदस्यों में आरती और रमन ने विद्यार्थियों को उक्त विषयों बारे आवश्यक जानकारी दी गई।

आरती ने बताया कि बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल यौन शोषण कानूनी जुर्म है। बाल विवाह करने पर 2 लाख रुपये जुमार्ना और 1 साल तक की सजा दोनों हो सकते हैं। भारतीय कानून के अनुसार लडके की उम्र 21 और लडकी की उम्र 18 साल से कम होने पर शादी अवैध होती है। इसी प्रकार से बाल मजदूरी और बाल यौन शोषण भी कानूनी जुर्म है। इस अवसर पर विद्यालय की मुख्यशिक्षिका नीलम, जयपाल लाठर, अजीत सिंह, विजय सिंह, सतीश कुमार, ईश्वर सिंह और नीतू रानी आदि अध्यापकगण मौजूद रहे।

गोहाना। जागरूकता कार्यक्रम में जानकारी देते रमन और आरती। फोटो :हरिभूमि

रिकार्डतोड़ होगी विजय संकल्प रैली : परमवीर

गोहाना। भाजपा द्वारा 28 अप्रैल को शहर में पुराने बस अड्डे पर स्थित चौ. देवीलाल स्टेडियम में विजय संकल्प रैली आयोजित की जाएगी। भाजपा जिला महामंत्री परमवीर सैनी शनिवार को एक दिन पहले अपने सैकड़ों सहयोगियों के साथ सैकड़ों बाइकों के काफिले के साथ रैली स्थल पर पहुंचे। काफिला पानीपत चुंगी और अंबेडकर चौक से होते स्टेडियम में पहुंचा। सैनी ने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास करने वाली पार्टी है। भाजपा की विकास नीति और निष्पक्ष कार्यशैली को देखते हुए देश के हर वर्ग के लोग पार्टी में अपना विश्वास रखते हैं। रविवार को गोहाना में ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित होने वाली विजय संकल्प रैली को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्यातिथि संबोधित करेंगे। यह रैली रिकॉर्डतोड़ होगी।

गोहाना।-डॉ. देवराज दलाल छात्रों को मिट्टी के नमूने लेने की जानकारी देते हुए।

छात्रों को मिट्टी के नमूने लेने का तरीका समझाया

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा खुटाना गांव स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को खेतों का भ्रमण करवाया गया। विद्यार्थियों को गांव खन्दराई के खेतों में ले जाया गया और वहां उनको मिट्टी के नमूने लेने का तरीका समझाया गया। प्रशिक्षण एसटीओ डॉ. देवराज दलाल ने दिया। डॉ. दलाल ने कहा कि खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की पर्याप्तता का पता लगने के लिए मिट्टी की जांच करवाना आवश्यक है। मिट्टी की जांच करवाने से ही यह पता चल सकेगा कि खेत की मिट्टी में फसल की दृष्टि से किन पोषक तत्वों की जरूरत है। मिट्टी की जांच के बाद विभाग द्वारा किसान को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी दिया जाता है जिसमें खेत की मिट्टी संबंधी पूरा विवरण दर्ज होता है। विद्यार्थियों ने खेतों में मिट्टी के 25 नमूने लिए। इस अवसर पर एटीएम प्रवीन, सुपरवाइजर रविंद्र और अध्यापक प्रमोद उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाकर पूर्व सीएम का जताया आभार

सतपाल को टिकट मिलने पर खुशी मनाते जयभगवान के साथ कार्यकर्ता।

राई। सोनीपत लोकसभा सीट से सतपाल ब्रह्मचारी को टिकट मिलने पर बहालगढ स्थित कार्यालय पर कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान व लोकप्रिय राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ साथ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। आंतिल बाराहा खाप के प्रधान जयभगवान आंतिल ने कहा कि ये समय बदलाव का है और किसान, कमेरे वर्ग विरोधी नीतियों की सरकार को उखाड़कर किसान हितों वाली सरकार लाने का है। आंतिल ने कहा कि सतपाल ब्रह्मचारी के रूप में कांग्रेस ने जिस धर्मगुरु को मैदान में उतारा है, उन्होंने अपने प्रबंधन वाली धर्मशालाओं और आश्रमों के जरिए इलाके के लोगों की सेवा और मदद का काम पहले से हाथ में ले रखा है।

सोनीपत। बैठक करते संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो :हरिभूमि

पहली मई को मनाएंगें मजदूर दिवस : देशराज नैन

सोनीपत। सर्व कर्मचारी संघ जिला यूनियन कार्यलय गोहाना रोड सोनीपत में जिला प्रधान देशराज नैन की अध्यक्षता में जिला कमेटी सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की मीटिंग हुई। मीटिंग का संचालन जिला सचिव सुनील दत्त ने किया। सड़क हादसे में स्कूल के मारे गए बच्चों के प्रति शोक प्रकट किया गया जिला प्रधान देशराज नैन ने बताया की एक मई को पंचायत भवन सोनीपत में सभी संगठनो के साथ मिलकर मजदूर दिवस मनाया जाएगा। मतदान पर परचा हर कर्मचारी के हाथ तक पहुंचाया जाएगा और 15 सूत्री कर्मचारियों का मांग पत्र मुख्य चुनाव उम्मीदवारों को दिया जाएगा। इस दौरान राजा भाई नगर पालिका जिला प्रधान, वरिष्ठ अप प्रधान विजेंद्र कादयान, विजेंद्र सारोहा, जोगिंदर, आनंद हुड्डा, रिटायर्ड संघ से ओम प्रकाश मालिक आदि नेता उपस्थित रहे।

आर्य समाज मॉडल टाउन सोनीपत में चल रहा 67वां वार्षिकोत्सव

परमेश्ववर की आज्ञाओं का पालन करना हमारा कर्तव्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत में 67 वें वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के पांचवें दिन शुक्रवार को आचार्य विष्णु मित्र वेदार्थी ने बताया कि परमेश्वर ने हम सभी को मानव जीवन प्रदान करके हम पर उपकार किया है। परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना हम सबका परम कर्तव्य है। यज्ञ ही सर्वोत्तम कर्म है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान अर्जुन देव दुरेजा ने की। वहीं पुरोहित आचार्य सतन देव सत्यम ने सामवेद के मन्त्रों का पाठ करके भावार्थ सहित समझाया। यज्ञोपरान्त जालंधर से आमन्त्रित संगीतरत्न सरदार सुरेन्द्र सिंह गुलशन और ढोलक वादक जसबीर सिंह ने गीत प्रस्तुत करके श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हरि चन्द स्नेही वैदिक प्रवक्ता ने मंच का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम में महात्मा वेद मुनि वानप्रस्थी, महेश जुनेजा, सुनील सचदेवा, ज्ञानेश्वर त्यागी, गीता सहगल, कौशल्या अरोड़ा, सुमन भगत, ओम प्रकाश भोला, निर्मल रेलन, मंजु आर्या, ज्ञान ठक्कर आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान हवन यज्ञ में शामिल होते हुए प्रबुद्ध जन। फोटो :हरिभूमि

नालंदा इंटरनेशनल स्कूल के 8 मेधावी खिलाड़ी छाए

गोहाना। दिल्ली में सम्पन्न तीसरी प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल के 8 खिलाड़ियों ने ट्राफियां जीत कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों को शनिवार को स्कूल की एमडी रीना मलिक ने सम्मानित किया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य वीरेंद्र सिंह मलिक ने की। शूटिंग कोच फईम चौधरी के अनुसार दिल्ली के तुगलकाबाद स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में तीसरी हरियाणा स्टेट प्री शूटिंग चैंपियनशिप आयोजित की गई। यह चैंपियनशिप 14 से 21 अप्रैल तक आयोजित हुई। शूटिंग चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल में रचित लाठर, अंश मलिक, क्रिया मिगलानी, दीपांशी और 10 मीटर पिस्टल में कनुप्रिया भारद्वाज, लक्ष्य लाठर, विहान कुंडू और आरुष ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ट्राफियां जीती।

ग्रामीणों का डिपो सचांलक पर राशन वितरण में गड़बड़ी करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राजलू के डिपों संचालक पर राशन वितरण में गड़बड़ी के आरोप में ग्रामीण खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के कार्यालय में पहुंचे और राशन वितरण में गड़बड़ी करने का आरोप लगाते शिकायत दी। ग्रामीण पूनम, निर्मला, मुकेश, राजो, कृष्णा, अशोक, खुशी आदि अन्य ने बताया कि उनके गांव का डिपों संचालक राशन वितरण में मनमानी करता है। राशन लेने जाते है तो वह अगले महीने राशन मिलने की बात कहकर वापस भेज देता है। अपनी जान- पहचान के लोगों को राशन देने के बाद बोलता है कि अभी तुम्हारा राशन पीछे से ही नही आया है। आरोप है कि मशीन में अंगूठा गेहूं वितरण का लगवाकर और तेल को खुद ही जब्त कर जाता है। गावं में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जिनके साथ वह सब हुआ है। राजलू के लोगों को भोगीपूर गांव में राशन देता है। शिकायत में बताया कि कई बार इकटठा राशन आने के बाद भी अगल- अगल राशन वितरण के लिए कार्ड धारकों को बुलाता है। इसलिए मजदूरी करने वाले लोग राशन के लिए मजबूरीवश छुट्टी करते है। इस बारे में जब डिपों धारक से सम्पर्क करने का प्रयास किया तो उनसे सम्पर्क नही हो पाया।

वितरण में गड़बड़ी की जांच कर कार्रवाई की जाएगी : राजेश

खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी राजेश ने लिखित में शिकायत मिलने के बाद बताया कि ग्रामीणों की तरफ से उन्हें शिकायत मिली है। शिकायत में जो मामले बताए है। उसी आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

NOTICE

I, Anita Rani W/o Pawan Saini R/o 767/1, Sudama Nagar, Sonipat declare that I have changed my name from Anita Rani to Anita Saini for all future purposes.

खबर संक्षेप

जानलेवा हमला करने की वारदात में शामिल दो काबू

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने गोली चलाकर जानलेवा हमला करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित नरेंद्र निवासी नांगल कलां व विकास उर्फ विक्की निवासी मांडी पानीपत का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया।

मतदान जागरुकता के लिए छात्रों ने निकाली रैली

सोनीपत। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मणान के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को मतदाता जागरुकता रैली निकाली, जिसे प्राचार्य अतुल कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्कूली बच्चों और शिक्षकों ने ली मतदान की शपथ

गन्नौर। लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत 25 मई को होने वाले मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी करवाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा स्वीप अभियान के तहत गांवों, शहरों तथा स्कूलों में अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में स्कूलों बच्चों और शिक्षकों को चुनाव के पर्व में अपनी अहम भूमिका निभाने को लेकर मतदान की शपथ दिलाई गई।

223 विद्यार्थियों को देनी थी बुनियाद लेवल-3 की परीक्षा

बुनियाद परीक्षा में 191 पहुंचे, 32 अनुपस्थित

10 बजे शुरू की गई परीक्षा, गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में बनाया गया था परीक्षा केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयार करने को बुनियाद योजना शुरू की गई थी। योजना के तहत तीसरे चरण की परीक्षा शुक्रवार को गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित की गई। लेवल-2 की परीक्षा को कुल 223 विद्यार्थियों ने पास किया था, जिसके बाद लेवल 3 की परीक्षा में 223 विद्यार्थियों को परीक्षा देनी थी। लेकिन परीक्षा देने के लिये 191 विद्यार्थी ही पहुंचें, 32 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षार्थियों का उपस्थिति प्रतिशत 85.65 रहा। परीक्षा केंद्र में शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा को नकल रहित संचालित करवाने के लिए व्यापक तैयारी की गई थी।

मिशन बुनियाद के बुनियाद लेवल-3 की परीक्षा में 223 विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया था। यह सभी वह विद्यार्थी थी, जिन्होंने लेवल-2 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की थी। शुक्रवार को आयोजित की गई परीक्षा में 223 में से 191 विद्यार्थियों ने ही अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई, जबकि 32 विद्यार्थी अनुपस्थिति रहे। परीक्षा के बेहतर संचालन के लिए जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों में 104 लड़के व 87 लड़कियां शामिल रहे।

परीक्षा शुरू होने तक पहुंचे विद्यार्थी, दी गई अनुमति

बुनियाद लेवल-3 की परीक्षा सुबह 10 बजे आयोजित की गई। इसके लिए सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले पहुंचने के निर्देश दिए गए थे, ताकि पंजीकरण प्रक्रिया सहित अन्य निदेशों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया जा सके। हालांकि परीक्षा शुरू होने तक भी विद्यार्थी आते रहे। सभी को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान विद्यार्थियों का प्रवेश पत्र व पहचान पत्र की जांच के बाद प्रवेश दिया गया।

परीक्षार्थियों ने पेपर को बताया आसान

बुनियादी लेवल-3 की परीक्षा का समय आधा घंटा निर्धारित किया गया था। सुबह 10 बजे परीक्षा शुरू कर दी थी। जिसमें विद्यार्थियों को सब्जेक्टिव टाइप के छह प्रश्नों के उत्तर देने थे। परीक्षा देकर केंद्र से बाहर निकले विद्यार्थियों ने पेपर को आसान बताया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय में ही सभी प्रश्नों के उत्तर लिख दिए थे।

शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई

बुनियाद लेवल-3 की परीक्षा के लिए गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में परीक्षा केंद्र बनाया गया था। जिसमें 223 विद्यार्थियों में 191 विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे। जबकि 32 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई है। परीक्षा का परिणाम जल्द जारी कर दिया जाएगा।

-सुरेंद्र सिंह, नोडल अधिकारी एवं जिला विज्ञान विशेषज्ञ, सोनीपत

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बताए मिशन बुनियाद के उद्देश्य

सोनीपत। विद्यार्थियों की नींव मजबूत करने के लिए शुरू किए गए मिशन बुनियाद की जागरूकता के लिए शुक्रवार को शहर के गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शीर्षक उत्सव कठिनाइयों का रखा गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने शिरकत की। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। डीईओ नवीन गुलिया व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार ने अभिभावकों व विद्यार्थियों को बुनियाद मिशन व इसके उद्देश्य से अवगत कराया। मिशन बुनियाद के निदेशक प्रदीप सनसनवाल ने बताया कि सोनीपत में वर्तमान समय में मिशन बुनियाद के चार केंद्र चल रहे हैं। इनमें 114 विद्यार्थी भारत निर्माण के लिए तैयार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के शीर्षक उत्सव कठिनाइयों का पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करते हुए बच्चों को श्रीराम के कठिनाइयों से जूझने के नियम धारण कर आगे बढ़ाने को प्रेरित किया और बच्चों की कामयाबी में मिशन बुनियाद की भूमिका की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान नए सत्र के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण भी किया गया। जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने आयोजक की भूमिका निभाते हुए मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 संबंधी जानकारी दी। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। डीईओ नवीन गुलिया ने मिशन बुनियाद के निदेशक प्रदीप सनसनवाल को स्मृति चिह्न भेंट किए। मंच संचालन सहायक परियोजना समन्वयक डॉ. अतर सिंह, मिशन बुनियाद से हर्षिता शर्मा, सुप्रिया और प्रीति सिंह ने किया।

लोकसभा चुनाव के तहत नामांकन की तैयारियों के लिए हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत 29 अप्रैल को होगी जो कि 6 मई तक जारी रहेगी। नामांकन की तैयारियों के लिए शुक्रवार को लघु सचिवालय में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त डा. मनोज कुमार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि निर्धारित समयावधि में केवल रविवार के दिन नामांकन नहीं लिया जाएगा।

उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने नामांकन के लिए की जाने वाली सभी तैयारियों की गंभीरता से समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से चुनाव तहसीलदार को निर्देश दिए कि वे नियमों की अनुपालना करते हुए सभी तैयारियां पूर्ण करें। विशेष रूप से निर्धारित परिधि को रेखांकित करवाते हुए निर्वाचन अधिकारी कक्ष तक जाने के रास्ते के लिए साईनेज लगवायें। मतदाता सूची की कॉपियां तैयार करवायें। प्रिंटर सहित कंप्यूटर सैट की व्यवस्था केरं। सीसीटीवी की व्यवस्था के साथ वीडियोग्राफी सुनिश्चित करें। निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के बार नोटिस बोर्ड की व्यवस्था करें जिस पर प्रत्याशियों के एफिडेविट की कॉपियां चस्पाना सुनिश्चित करें और ऑनलाईन आवेदन करने वाले प्रत्याशी के शपथ पत्र को क्यूआर कोड से स्कैनिंग की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला परिषद के सीईओ डा. सुशील मलिक, नगराधीश पूजा कुमारी, डीआईओ विशाल सैनी, एडीआईओ विजय, ओके दहिया, संजय श्रीवास्तव आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

घर के अंदर से दो-पहिया वाहन चोरी, मुकदमा दर्ज

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के गांव खेड़ी मनाजात में घर से दो-पहिया वाहन के चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव खेड़ी मनाजात निवासी प्रदीप ने बताया कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ गांव में रहता है। उसने हर रोज की तरह बाइक को घर के अंदर खड़ी करके दूसरे कमरे में सो रहा था। रात को 12 बजे पानी पीने के लिए उठा। उसकी बाइक गायब मिली। अपने स्तर पर बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एसआई अशोक ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। जल्द से जल्द बाइक चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

गरीब महिला का केस लड़ने की कई वकीलों ने की पेशकश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

मजदूरी करके व विधवा पेंशन से अपने परिवार का गुजारा करने वाली महिला अंगूरी देवी ने बहुत ही साहसिक कार्य किया है। अब कई वकील भी ऐसी महिला की मुफ्त में मदद करने को आगे आ गए हैं। दरअसल इस महिला ने हत्या में शामिल अपने बेटे कमल को पुलिस के हवाले करके इंसानियत के नाते बेहद सराहनीय कार्य किया है। अब अंगूरी देवी को मां फर्ज निभाना है। उसे अपने बेटे के लिए वकील करना था, लेकिन उसके पास पैसे नहीं हैं। सोनीपत से क्राइम केस लड़ने वाले वकील सुमित दहिया व अमित मलिक खुद महिला अंगूरी के घर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि अगर हर मां-पिता अंगूरी जैसे कानून के मददगार हो जाएं तो देश से आधा क्राइम अपने आप समाप्त हो जाएगा। हालांकि उनके बेटे ने क्राइम किया है तो उसे माननीय न्यायलय सजा देगा। लेकिन एक मां जो पैरवी अपने बेटे की करना चाहती है, उसमें पैसे की बाधा नहीं आने दी जाएगी। उनका केस अच्छी ईमानदार पैरवी के साथ मुफ्त में लड़ा जाएगा। एडवोकेट सुमित दहिया ने कहा कि मां ने समाज में अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। सरकार को ऐसी महिला को अवार्ड भी देना चाहिए। जिन्होंने कानून की मदद की है।

खरखौदा। अंगूरी देवी से बातचीत करते वकील।

पुलिस ने जुआ खेलते 24 लोगों को गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

पुलिस ने गोहाना में पूनम सिनेमा मार्केट में छापा मारकर जुआ खेलते 24 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपितों से मौके से लगभग 2.43 लाख रुपये बरामद किए गए। आरोपितों के विरुद्ध शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया।

क्राइम यूनिट सेक्टर 27 सोनीपत से एएसआइ राजेश कुमार पुलिस टीम के साथ गोहाना में रोहतक रोड बाईपास पर गश्त कर रहे थे। उनको सूचना मिली कि गोहाना में बस स्टैंड के निकट पूनम सिनेमा मार्केट में एक दुकान में 20-25 लोग ताश के पत्तों से पैसे दांव पर लगाकर जुआ खेल रहे हैं। उन्होंने शहर थाना गोहाना पुलिस की मदद से रेड की। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो होटल के पास दुकान के अंदर तीन-चार टोलियों में बैठे लोग जुआ खेल रहे थे। एक दूसरे को हुकम का बादशाह आने पर 500-500 रुपये की चाल कहकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे, लेकिन उनको काबू कर लिया गया। आरोपितों की पहचान गोहाना में गणेशपुर मोहल्ला के संजय, विष्णु नगर के दीपक, वाल्मीकि चौक के राजेश, सुनील, रोहतक गेट के अनिल, पानीपत में तहसील कैंप के अनिल, फ्रेंड्स कालोनी के दर्शन, आठ मरला के राकेश, नेताजी कालोनी के पवन, रमेश नगर के हरीश, देवराज कालोनी के सलमान, अशोक नगर के सुरेंद्र, दीवान नगर के इंद्रजीत, भावना चौक के नरेश, हनुमान कालोनी के सोनू, भावना चौक के हरीलाल, मस्ताना चौक के महेश, रोहतक में प्रताप मोहल्ला के हितेश, उत्तरप्रदेश में कैराना के फैसल, मुसाहिद, नदीम, अमित, युजममील और आलम के रूप में हुई।

छात्रों ने निखारी अपनी साक्षात्कार क्षमता

- विद्यार्थियों ने खंड शिक्षा अधिकारी मंजू गर्ग के साथ किया साक्षात्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों को उनकी साक्षात्कार की क्षमता को निखारने के लिए मंच प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। मॉडल टाउन स्थित बीईओ कार्यालय पहुंचे विद्यार्थियों ने सोनीपत खंड शिक्षा अधिकारी मंजू गर्ग के साथ साक्षात्कार किया। विद्यार्थियों ने उनकी उपलब्धियों, जीवनशैली और शहर में सबसे बड़ा शैक्षिक कार्यक्रम बनाने की योजनाओं के बारे में पूछताछ की।

साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वह मिलने वाले अवसरों का लाभ प्राप्त करते हुए प्रतिभा को निखारते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी के साथ साक्षात्कार से पूर्व विद्यार्थियों ने उनके कार्यालय में पहुंचकर शालीनता पूर्वक उन्हें बुके भेंट किया। व्यावहारिकता में साक्षात्कार सत्र शामिल था, जिसने विद्यार्थियों को एक नवीन शैक्षिक अवसर प्रदान किया। बीईओ मंजू गर्ग ने भी साक्षात्कार सेशन में विद्यार्थियों के पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और जीवन में खूब तरक्की करने का आशीर्वाद दिया। साउथ पॉइंट संस्थान के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री, साउथ पॉइंट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा व कार्यकारी निदेशक डॉ. ममता सचदेवा ने विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

सोनीपत। साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थी खंड शिक्षा अधिकारी मंजू गर्ग के साथ साक्षात्कार करते हुए।

खरखौदा में प्रो बॉक्सिंग फाइट-नाईट 28 को

खरखौदा। खरखौदा में पहली बार 28 अप्रैल को प्रो बॉक्सिंग फाइट नाइट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारत के नामचीन खिलाड़ी लेंगे। इस दौरान 13 फाइट होंगी। जिसमें 5 फाइट लड़कियों की और 8 फाइट लड़कों की, जो अलग-अलग वेट कैटेगरी के अनुसार रखी गई हैं। प्रोफाइल खरखौदा बॉक्सिंग का मुकाबला पहली बार यहां आयोजित होने जा रहा है। जिसमें क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियों के उपस्थित रहने की संभावना है। प्रो फाइट नाइट का आयोजन दहिया गार्डन खरखौदा में किया जाएगा। जो कि थाना कलां रोड बाईपास पर स्थित है। खरखौदा प्रोफाइल नाइट में जो मैच होंगे वह आर पार के होंगे। जिसमें मुक्केबाजों की अच्छी फाइट देखने को मिलेगी। इन मुकाबलों को देखने गाँव और शहर के दर्शक आयेंगे। खरखौदा प्रो फाइट नाइट में टिकट फ्री रखी गई है और कोई भी आसपास क्षेत्र का दर्शक इसका आनन्द ले सकता है। ज्ञात रहे कि प्रो फाइट-नाईट का प्रसारण विभिन्न सोशल साइट्स पर लाइव भी रहेगा।

नवाचार और रचनात्मकता में आईपीआर की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) की अहम भूमिका है। बौद्धिक संपदा अधिकार से कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं व्यावसायिक मुद्दे भी जुड़े हैं। यह उद्गार बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. सुदेश ने शुक्रवार बतौर मुख्य अतिथि, विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। वीसी प्रो. सुदेश ने कहा कि इस डिजिटल युग में हम सभी को आईपीआर बारे जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैरियर के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एमडीयू के सेंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज द्वारा फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के सहयोग से किया गया। सेमिनार में कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई टैग, पेटेंट के बारे में जानकारी दी गई। सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दुरेजा ने सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों बारे जानकारी दी। डीन प्रो. अरुण नंदा ने वर्तमान दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार की महत्ता से अवगत करवाया।

गोहाना। सेमीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. सुदेश।

कॉलेज प्रांगण में रोपे पौधे

सोनीपत। छोटूराम आर्य महाविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस पर कॉलेज प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह ने पर्यावरण को बचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. ऊषा दहिया, प्रो. रितु, डॉ निशा खत्री, प्रो. कविता, प्रो. नीलम, प्रो. प्रीति, प्रो. प्रदीप व प्रो. जगदीप आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय से मोबाइल फोन व लैपटॉप चोरी, मुकदमा दर्ज

- सीसीटीवी व डीवीआर उखाड़ ले गए चोर, क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही पुलिस

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत क्षेत्र के गांधी चौक पर स्थित कार्यालय में खिड़की की ग्रील उखाड़कर मोबाइल फोन व लैपटॉप के चोरी होने का मामला सामने आया है। कार्यालय संचालक ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। सेक्टर-14 निवासी विजय ने बताया कि उसका गांधी चौक पर लक्ष्मी सर्विस के नाम से कार्यालय है। वह नौकरी दिलवाने का काम करता है। कार्यालय में प्रथम तल व दूसरे तल पर मोबाइल फोन व लैपटॉप रखे हुए थे। जोकि स्टाफ कर्मचारी इस्तेमाल करते है। किसी ने रात को खिड़की की ग्रील उखाड़कर कार्यालय से 20 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप सहित कार्यालय में लगे सीसीटीवी की कैमरें व डीवीआर चोरी कर ली।

कांग्रेस की मंशा ठीक नहीं: मनोहर लाल

- पूरे विश्व में भारत की जो धाक है,वह भारत की मजबूती का प्रमाण: मनोहर लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कांग्रेस झूठी घोषणाओं के सहारे अपने चुनावी नैया को पार लगाना चाहती है,लेकिन देश की जनता अब इस बात को भली प्रकार समझने लगी है कि कांग्रेस की घोषणाओं में कोई दम नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल शुक्रवार को सोनीपत लोकसभा उम्मीदवार के लिए विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे।

गोहाना विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना लगाया। उन्होंने कहा कि जब से देश में चुनाव की घोषणा हुई है,कांग्रेस बौखलाई हुई है और पिछले कुछ दिनों में राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान से उनकी बौखलाहट साफ नजर आती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को एक लाख रुपए प्रति वर्ष देने का वायदा किया है लेकिन कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि वह महिलाओं को एक-एक लाख रुपए कैसे देंगे,क्योंकि अगर ऐसा किया जाता है तो देश का सारा बजट एक ही झटके में खत्म हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस आज गरीबी हटाने की बात करती है लेकिन कांग्रेस को अपने 60 साल के शासन में गरीबी हटाने की याद नहीं आई।

मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता और देश को भी मजबूत किया है। आज पूरे विश्व में भारत की जो धाक है वह भारत की मजबूती का प्रमाण है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

अभी तक इस बिल्डिंग में लिफ्ट चालू नहीं हो पाई

15 करोड़ से बने लघु सचिवालय में सुविधाओं का घोर अभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा के मिनी सचिवालय को बने हुए करीब 2 साल हो चुके हैं और तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा वर्चुअल तरीके से इस बिल्डिंग का उद्घाटन भी किया गया था। लेकिन अभी तक इस बिल्डिंग में लिफ्ट चालू नहीं हो पाई है। जिसके कारण जो बुजुर्ग लोग हैं या दिव्यांग है, उन्हें पहले व दूसरी मंजिल की बिल्डिंग जाने में काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। इस बिल्डिंग में रैंप की सुविधा नहीं दी गई है। अब सवाल यह उठता है कि जो सुविधा प्रशासन द्वारा 2 साल पहले मुहैया कराई जानी थी । वह अभी तक मुहैया क्यों नहीं कराई गई। इसका जिम्मेदार कौन ठेकेदार वह कौन अधिकारी है? हालांकि पिछले वर्ष सितंबर महीने में यहां पर ई दिशा केंद्र, एसडीएम ऑफिस, तहसील ऑफिस, कानूनगो ऑफिस सहित विभिन्न सरकारी दफ्तरों का संचालन हो रहा है। लेकिन लिफ्ट की सुविधा यहां उपलब्ध नहीं है।

लोक निर्माण विभाग के इलेक्ट्रिकल विंग के एसडीओ पंकज का कहना है कि लिफ्ट को इंस्टॉल किया जा चुका है। जो दिखाते लिफ्ट संचालन में आ रही हैं वह 2 साल पहले काम करके गए सिविल ठेकेदार के कारण आ रही है, क्योंकि वे कुछ काम अधूरा छोड़कर गए हुए हैं। अब सवाल यह उठता है कि 2 साल पहले जिस बिल्डिंग का उद्घाटन हो गया हो और लिफ्ट लगाने वाले ठेकेदार या कर्मचारी को अब यह याद आ रही है कि लिफ्ट पोर्शन में छोटा मोटा रिपेयर का काम बाकी है। ठेकेदारों की लापरवाही के कारण आम व्यक्ति को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोक निर्माण विभाग के इलेक्ट्रिक विंग के अधिकारी पंकज का कहना है कि अगले एक सप्ताह में मिनी सचिवालय की लिफ्ट शुरू हो जाएगी। लिफ्ट चालू करने का कार्य इलेक्ट्रिक विंग का है। सिविल वर्क काफी समय पहले पूरा हो चुका है। लेकिन अभी तक कोई ऐसी सूचना नहीं आई थी कि कहीं कोई छोटा-मोटा काम रहता है।

खरखौदा। लिफ्ट सेवा शुरू करने में संलिप्त कर्मचारी।

विभाग को लिफ्ट चालू करने के लिए निर्देश दिए

लोक निर्माण विभाग को लिफ्ट चालू करने के लिए निर्देश दिए गए है अगर इस मामले में कोई भी कर्मचारी कोताही बरतता है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- श्वेता सुहाग एसडीएम खरखौदा।

करीब 15 करोड रुपए हुए हैं खर्च

खरखौदा में मिनी सचिवालय पर करीब 15 करोड रुपए की राशि खर्च की गई है जिनमें लिफ्ट सुविधा भी शामिल थी, लेकिन अभी तक लिफ्ट की सुविधा लोगों को नहीं मिल पा रही है। जो ठेकेदार व अधिकारियों की लापरवाही दशार्ता है। 58 गांव इस कार्यालय से संबंधित हैं।

- अनिल चहल एसडीओ लोक निर्माण विभाग।